Activity : 20

8-3-18

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

आज दिनांक 08.03.18 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय ***महिला दिवस के अवसर पर नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा*** का आयोजन किया गया। पैनल के रूप में डॉ. हरनीत कौर, डॉ. सोनिया मलिक, डॉ. कुसुम लता और डॉ. गुरप्रीत कौर आमंत्रित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनीता गुप्ता ने की। इस अवसर पर कुछ छात्राओं की माताएं भी उपस्थित थीं।

आरम्भ में कुमारी आकांक्षा ने स्त्रियों पर स्वरचित कविता सुनाकर सबको भावविह्वल कर दिया। डॉ. हरनीत कौर ने कविता से अपनी बात की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि स्त्री के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। समाज में नारी के प्रति बढ़ते हुए अपराधों ने उसे हर तरह से असुरक्षित कर दिया है। स्त्री को वस्तु की तरह ही देखा जाता है और केवल उपभोग होना ही उसकी नियति बन गया है। परन्तु अगर स्त्री को आगे बढ़ना है तो उसे साहस से संघर्ष करना होगा, विकृत परम्पराओं को त्यागना पड़ेगा। उन्होंने समाज में माँ की भूमिका पर भी विस्तार से विचार रखे। जो महिलाओं और लड़कियों के लिए डॉ. सोनिया ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक रहने को कहा। उन्होंने भारत में महिला दिवस आयोजन के इतिहास पर प्रकाश डाला, उसी कड़ी के अन्तर्गत महाविद्यालयों में महिला प्रकोष्ठ स्थापित किए गए जो समय समय पर छात्राओं को स्त्री मुद्दों के प्रति सचेत करते हैं। उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से बताया कि समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। महिलाओं के प्रति, अपराधों के प्रति सचेत रहकर मुकाबला करना चाहिए ना कि आंखें मूँद लें।

एक छात्रा ने पैनल से सवाल किया कि सेनेटरी पैड पर जी.एस.टी. क्यों लगाया गया है पर डॉ. सोनिया ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सब सरकार से ये निवेदन करते है कि सरकार को ऐसी दैनिक जरुरत की वस्तुओं को कर मुक्त करना चाहिए।

डॉ. कुसुम लता ने अपने सम्बोधन में इतिहास में स्त्रियों की दशा पर प्रकाश डाला। स्त्रियों को हमेशा दोयम दर्जे का व्यक्ति समझा गया है। इज्जत के नाम पर हमेशा से उसका शोषण किया जाता रहा है। छात्राओं को अपने भाव अपने परिजनों से सांझा करने चाहिए। हमें आत्मविश्वास से संकट का सामना करना चाहिए। अभिभावकों को अपने [illegible] समानता के आधार पर करना चाहिए। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाया जाता है जिससे समाज की [illegible] में परिवर्तन आ रहा है।

डॉ. गुरप्रीत कौर ने छात्राओं को अपने स्त्री होने पर गर्व करने का आह्वान किया। आज की औरतें कविता के माध्यम से परिवर्तन की लहर को श्रोताओं को महसूस करवाया। विश्व स्तर पर नारी ने अपनी पहचान बनाई है। इसने प्राचीन मूल्यों को झकझोरा है और शोषण के खिलाफ रास्ता बनाया है, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर समाज को दिशा देने में अपना योगदान दे रही है। महिला दिवस आयोजन एक बेहतर समाज बनाने का सपना लेकर आयोजित किए जा रहे हैं। डॉ. मनजीत कौर ने कहा कि आए नारी अबला नहीं सबला है अपनी कविता में उन्होंने नारी शक्ति को उजागर किया।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्या श्रीमती अनीता गुप्ता ने स्त्री शक्ति को नमन किया। उन्होंने सभी वक्ताओं का इस पावन दिन पर महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपने विचार सांझा करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि परम्पराओं और संस्कारों को चले आ रहे नजरिए से ही ना देखें बल्कि अपना एक नजरिया विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम सतर्क और जागरूक होते है तो ये कार्यक्रम की सफलता है। विभिन्न छात्राओं ने अपने प्रश्न विशेषज्ञ पैनल से पूछे। अभिभावकों ने अपने विचार सबके साथ सांझा किए। मंच संचालिका डॉ. सुमन राजन ने कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला दिवस को सार्थक बनाने के लिए जागरूक रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया। [illegible] सबलीकरण, समाज के प्रति दायित्व की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ, एन.एस.एस. [illegible] डॉ. मनजीत कौर और युवा कल्याण परिषद् की संयोजिका डॉ. कमलेश कौशल तथा डॉ. अनु, डॉ. सीमा, डॉ. रूकमेश, डॉ. पूजा, डॉ. सोनिया और सदस्याएं छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं।

[signature]

अमर उजाला (9.03.2018)

दयानंद महिला कॉलेज में शपथ लेतीं शिक्षिकाएं, माताएं एवं छात्राएं। - अमर उजाला

नारी जीवन के विविध पहलुओं पर हुई परिचर्चा

दयानंद महिला कॉलेज में नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर परिचर्चा हुई। पैनल में डॉ. हरनीत कौर, डॉ. सोनिया मलिक, डॉ. कुसुम लता, डॉ. गुरप्रीत कौर आमंत्रित रहीं। अध्यक्षता कालेज प्राचार्य अनीता गुप्ता ने की। छात्राओं की माताएं भी कार्यक्रम में पहुंचीं। डॉ. हरनीत कौर ने कविता के माध्यम से कहा कि स्त्री के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। डॉ. सोनिया ने सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने छात्रा के सवाल पर पैड को सरकार से जीएसटी मुक्त करने की अपील की। प्राचार्य अनीता गुप्ता ने नारी शक्ति को नमन किया। मंच संचालिका डॉ. सुमन राजन ने कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला दिवस को सार्थक बनाने के लिए जागरूक रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को स्त्री सबलीकरण, समाज के प्रति दायित्व की शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ. मनजीत कौर, डॉ. कमलेश कौशल, डॉ. अनु, डॉ. सीमा, डॉ. रुक्मेश, डॉ. पूजा, डॉ. सोनिया मौजूद रहीं।

पंजाब केसरी (9.03.2018)

नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा का आयोजन

कुरुक्षेत्र(धमीजा): दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया गया। पैनल के रूप में डा. हरनीत कौर, डा. सोनिया मलिक, डा. कुसुम लता और डा. गुरप्रीत कौर आमंत्रित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या अनीता गुप्ता ने की। इस अवसर पर कुछ छात्राओं की माताएं भी उपस्थित थीं। आरम्भ में कुमारी आकांक्षा ने स्त्रियों पर स्वरचित कविता सुनाकर सबको भाव-विहबल कर दिया। डा. हरनीत कौर ने कविता से अपनी बात की शुरूआत की।

परिचर्चा में शामिल शिक्षिकाएं।

(3)

Student

राष्ट्रीय सेवा योजना

Date:- 8-03-18

नारी जीवन के विभिन्न पहलू विषय पर चर्चा - परिचर्चा

°	class	Name
1. 23	B.A II	Kamaljeet
2) 3603	B.A II (V)	Surbhi
3) 3604	B.A II (V)	Sheenam
4) 3606	B.A II (V)	Manisha
5) 3607	B.A II (V)	Tamanna
6) 3608	B.A II (V)	Suneeta
7) 3626	B.A II (V)	Rimjhim
8) 3201	B.A II	Sudakshina
9) 3301	B.A II	Reetu
10) 3336	B.A II	Sheenam
11) 3258	B.A II	Rita
12) 3184	B.A II	Sonia
13) 3120	B.A II	Kiran
14) 3109	B.A II	Sumitra
15) 3216	B.A II	Khyati
16) 3287	B.A II	Anjali
17) 3161	B.A II	Swati
18) 3219	B.A II	Deepika
19) 3163	B.A II	Deepa
20) 3363	B.A II	Manjeet
21) 3223	B.A II	Poonam
22) 3122	B.A II	Rimpy
23) 3314	B.A II	Sapna
24) 3359	B.A II	Anjali
25) 3155	B.A II	Swati
26) 3198	B.A II	Sonia
27) 3289	B.A II	Geeta Rani
28) 2835	B.A III (V)	Poonam
29) 2508	B.A III	Deepa

Roll No	class	Name
30) 2558	B.A III	Vamesh
31) 2576	B.A III	Chanda
32) 2601	B.A III	Kiranjeet
33) 2602	B.A III	Arshpreet
34) 2763	B.A III	Manjeet
35) 2684	B.A III	Sapna
36) 2637	B.A III	Jyoti Rani
37) 2530	B.A III	Sudesh
38) 2546	B.A III	Manisha
39) 2749	B.A III	Gunjan
40) 2574	B.A III	Garima
41) 2600	B.A III	Sonia
42) 2672	B.A III	Monika
43) 2586	B.A III	Pooja
44) 2695	B.A III	Anu
45) 2642	B.A III	Savita
46) 2516	B.A III	Anju Rani
47) 3590	B.Com II	Vidhi Bajaj
48) 3779	B.Com II	Muskan
49) 3589	B.Com II	Monika
50) 3799	B.Com II	Shivani
51) 2925	B.Com III	Mehak
52) 2908	B.Com III	Ankita
53) 2977	B.Com III	Deeksha
54) 2958	B.Com III	Anjali
55) 2960	B.Com III	Deeksha
56) 2330	B.Sc II	Neha

8.3.18

नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा परिचर्चा

सबला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

दैनिक जागरण और दयानंद
महाविद्यालय की ओर से अं
महिला दिवस पर महिलाओं
मे कार्यक्रम का आयोजन कि

दैनिक जागरण और दयानंद कन्या महाविद्यालय की ओर से महिला दिवस पर

नारी शक्ति के बिना समाज

डॉ. मनजीत कौर।

संस्कारों की शक्ति से ताकतवर बनें महिलाएं :

दयानंद महिला महाविद्यालय की एनएसएस की-आर्डिनेटर डॉ. मजीत कौर ने कहा कि आधुनिक युग मे महिलाओ को संस्कारो की शक्ति से ताकतवर बनना होगा। आज लड़कियों को फिल्मी एक्ट्रेस के बजाय महारानी लक्ष्मीबाई और अतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक कल्पना चावला जैसी महान आत्माओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। आधुनिक युग मे झांसी की रानी की तरह तलवार उठाकर लड़ाई लड़ने के बजाय आत्मविश्वास जगाकर और सशक्त बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल की तरह आज की नारी बेबस नहीं है वह बहुत से मामलों में पूरी तरह से आजाद है।

जयमाला।

अपनी बेटी के माध्यम से सपने कर रहीं पूरे

दयानंद महिला महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा आरती की माता जय माला ने अतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दैनिक जागरण के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम: श्लोक चरितार्थ होता दिख रहा है। नारी के रास्ते में भले ही कितनी कठिनाइयां आ रही हों, लेकिन नारी समाज में लगातार सशक्त हो रही हैं। दैनिक जागरण और दयानंद कन्या महाविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह देखने का मिला। वक्ताओं ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें अवला नहीं सवला होने की नसीहत दी। वक्ताओं का मानना था कि अब समाज बदल रहा है और इसमें नारी शक्ति को अब हर कोई मान और समझ रहा है। कार्यक्रम में नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर आयोजित चर्चा में चार वक्ताओं के साथ महाविद्यालय की शिक्षिकाओं और छात्राओं ने अपने-अपने मत रखे। मंच से वक्ताओं ने छात्राओं को वैदिक संस्कृति से जुड़े

दयानंद महिला महाविद्यालय में आयोजित विश्व महिला दिवस कार्यक्रम का शुभारभ करती मुख्यतिथि।

नारी रहे अपने अधिकारों के प्रति सचेत : डॉ. सोनिया मलिक

आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने कहा कि महिलाओं को वर्तमान समय में आगे बढ़ने के लिए अपने अधिकारों की पूरी जानकारी होनी चाहिए

डॉ. सोनिया मलिक

और खासकर युवाओं को इसके प्रति पूरी तरह से सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकारों की ओर से महिलाओं को कानूनी ताकत दी है। जिनके बारे में पता होने के बाद ही हम इनका प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वस्थ और

कार्यक्रम में शपथ लेती छात्राएं व शिक्षिका

समाज को सही दिशा देने में सक्षम है नारी : डॉ. अनिता

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही दयानंद महिला महाविद्यालय की प्राचाय

गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति से भरी है को, परिवार को और समाज को सही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में ब आया है कि समाज की सोच बदल चुक अब वह दिन दूर नहीं है जब महिलाओं का दर्जा मिलेगा। स्त्री शिक्षा इसके लि